1. नेताजी का चश्मा

क- <u>पठित गद्यान्श के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए</u> **(1×5=5)**

अगली बार भी मूर्ति की आँखों पर चश्मा नहीं था | हालदार साहब ने पान खाया और धीरे से पानवाले से पूछा – क्यों भाई ! क्या बात है ? आज तुम्हारे नेताजी की आँखों पर चश्मा नहीं है ? पानवाला उदास हो गया | उसने पीछे मुड़कर मुँह का पान नीचे थूका और सिर झुकाकर अपनी धोती के सिरे से आँखें पोंछता हुआ बोला- साहब कैप्टन मर गया और कुछ नहीं पूछ पाए हालदार साहब ! कुछ पल चुपचाप खड़े रहे ,फिर पान के पैसे चुकाकर जीप में आ बैठे और रवाना हो गए |बार-बार सोचने ,क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर –गृहस्थी –जवानी –जिंदगी सब कुछ होम कर देने वालों पर हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढती है | दुखी हो गए | पंद्रह दिन बाद फिर उसी कस्बे से गुजरे | कस्बे में घुसने से पहले ही ख्याल आया की कस्बे की ह्रदयस्थली में सुभाष की प्रतिमा अवश्य प्रतिष्ठापित होगी , लेकिन सुभाष की आँखों पर चश्मा नहीं होगा |….. क्योंकि मास्टर बनाना भूल गया |.....और कैप्टन मर गया | सोचा ,आज रुकेंगे नहीं , पान भी नहीं खाएँगे , मूर्ति की तरफ देखेंगे भी नहीं , सीधे निकल जाएँगे | ड्राइवर से कह दिया ,चौराहे पर रुकना नहीं , आज बहुत काम है , पान आगे कहीं खा लेंगे |

1. **गदयांश के आधार बताइए की हालदार साहब के प्रश्न पूछने पर पानवाले की क्या प्रतिक्रिया थी ?**
   - i. खुश हो गया
   - ii. उदास हो गया
   - iii. चिंतित हो गया
   - iv. इनमें से कोई नहीं

2. **हालदार साहब मूर्ति के समक्ष रुकना क्यों नहीं चाहते थे ?**
   - i. कैप्टन चश्मे वाला मर चुका था
   - ii. पानवाला जा चुका था
   - iii. हालदार साहब को जल्दी जाना था
   - iv. इनमें से कोई नहीं

3. **हालदार साहब पानवाले से और क्यों नहीं पूछ पाए ?**
   - i. खुश होने के कारण
   - ii. मृत्यु का समाचार सुनकर
   - iii. दुखी होने के कारण
   - iv. ये सभी

4. **गद्यान्श के आधार पर बताइए की हालदार साहब ने क्या सोचा ?**
   - i. आज कस्बे में नहीं रुकेंगे
   - ii. पान भी नहीं खाएँगे
   - iii. मूर्ति की ओर भी नहीं देखेंगे
   - iv. ये सभी

5. **हालदार साहब ने ड्राइवर से क्या कहा ?**
   - i. उन्हें आज बहुत काम है
   - ii. चौराहे पर गाड़ी पर रोके
   - iii. पान कहीं आगे खा लेंगे
   - iv. ये सभी

उत्तर - 1- उदास हो गया 2 -कैप्टन चश्मे वाला मर चुका था 3 -मृत्यु का समाचर सुनकर
4- ये सभी 5- ये सभी

<u>ख –निम्न लिखित प्रश्नों के सही विकल्प लिखिए</u> -

1. **पाठ के आधार पर बताइए की हालदार साहब कैप्टन के बारे में क्या पूछना चाहते थे ?**

   i. कैप्टन कौन था ii. उसे कैप्टन क्यों कहते थे

   iii. देश भक्त कौन था iv. इनमें से कोई नहीं

2. **हालदार साहब के लिए मजेदार बात क्या थी** ?

   i. मूर्तिकार नेताजी की मूर्ति का चश्मा बनाना भूल गया था ii. नेताजी की मूर्ति पर असली चश्मा था

   iii. नेताजी की मूर्ति पर चकोर चश्मा था iv.ये सभी

उत्तर –

1. (ii) उसे कैप्टन क्यों कहते थे
2. (i) मूर्तिकार नेताजी की मूर्ति का चश्मा बनाना भूल गया था

<u>ग-वर्णनात्मक प्रश्न</u>

1-नेताजी का चश्मा पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि किसी भी कार्य में उसके पीछे छिपी भावना ही अधिक महत्वपूर्ण होती है ?

उत्तर –नेताजी का चश्मा एक रोचक कहानी है | इसमें लेखक कहना चाहतें हैं कि देशभक्ति का संबंध मन की भावना से है | देश भक्ति प्रकट करने के लिए न फौजी होना जरूरी है ,न शरीर से शक्तिशाली होना , कोई भी मनुष्य चाहे वह बच्चा हो या बूढ़ा ,देश प्रेमी हो सकता है | इस कहानी में दिखाया गया है कि देश भक्ति की भावना छोटे से छोटे से कस्बे में भी दिखाई देती है |

2-नेताजी की मूर्ति कैसी थी ?मूर्ति के चश्मे में परिवर्तन का कारण क्या था ?

उत्तर –नेताजी की मूर्ति पर चश्मा नहीं था | कस्बे का एक चश्मेवाला अपनी सुविधानुसार कोई न कोई चश्मा मूर्ति पर लगा देता था | अगर कोई ग्राहक मूर्ति पर लगा फ्रेम मांग लेता तो

3-कैप्टन कौन था ? उसे कौन सी बात आहत करती थी ?

उत्तर – कस्बे का एक गरीब फेरीवाला बूढ़ा कैप्टन कहलाता था | वह शरीर से मरियल और लंगड़ा था | उसका काम था ,गली –गली घूमकर चश्मे बेचना | लोगों ने उसका नाम कैप्टन इसलिए रख दिया था क्योंकि वह सुभाष चंद्र बोस और उनकी भक्ति का कायल था | उसे यह बात आहत करती थी की सुभाषचंद्रबॉस की मूर्ति पर चश्मा नहीं था |

4-पानवाला एक हँसोड़ स्वभाव वाला व्यक्ति था ,परंतु उसके हृदय में संवेदना भी थी | इस कथन पर अपने विचार प्रकट कीजिए ?

उत्तर –पान वाला स्वभाव से हँसोड़ था इसलिए वह चश्मे वाले की देशभक्ति का मज़ाक उड़ाया करता था |उसकी हरकतों पर हँसता था किन्तु एक दिन जब वह मर जाता है तो उसे महसूस होता है कि उस कस्बे में अब सुभाषचंद्र बोस की मूर्ति पर चश्मा लगाने वाला कोई नहीं रहा | केवल वही एक देशभक्त था | इस बात को याद करके उसकी आँखों में आँसू आ गए |